

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भाषिकार से प्रकासित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 486] नई बिल्लो, शमियार, सितम्बर 29, 1984/ग्राश्विन 7, 1906 No. 486] NEW DELHI, SATURDAY, SEPT. 29, 1984/ASVINA 7, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संबंधा वो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिस्चना

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1984

का. आ. 752(अ) : केन्द्रीय सरकार, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यावहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 2 के खंड (च क) के उपखंड (7) द्वारा प्रदस्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, आवास विकास विस्त निगम को जो कि कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन एक रिजरट्रीकृत कम्पनी है,

एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 की भारा व संड (छ) के प्रयोजनों के लिए, एक वित्तीय संस्था के रूप में विनिर्दिष्ट करती हैं।

[फा. सं. 38/5/84-सी एल या]

सः. म. दूगङ्, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NO FIFICATION

New Delhi, the 29th September, 1984

S.O. 752(E).—In exercise of the powers conferred by subclause (vii) of clause (d a) of section 2 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby specifies the Housing Development Finance Corporation, a company registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), as a financial institution for purposes of clause (g) of section 3 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969.

[File No. 38|5|84-CL. V] S. M. DUGAR, Jt. Sccy.